विद्या भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

रूपमकुमारी ,वर्ग सप्तम, विषय -हिंदी ,

दिनांक -6 सितंबर 2020

Based on NCERT pattern

|| अध्ययन- सामग्री ||

सुप्रभात बच्चों,

कल की कक्षा में मैंने आपको दोहा याद करने दिया था ।उम्मीद है कि ,आपने याद कर लिया होगा ।

आज की कक्षा में हम दोहे में दिए गए कठिन-शब्दों के अर्थ को बताएंगे तथा कवि -परिचय भी बताएंगे ।

शिक्षा का उद्देश्य किताबी ज्ञान को दिमाग में उतारना नही है , शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान और विवेक को आत्मा में उतार कर हमारे व्यवहार परिवर्तन , चहुमुखी विकास का प्रमुख साधन बनना है ।

कवि -परिचय -कवि का जन्म 1643 ईस्वी में मथुरा में हुआ था । उनकी शिक्षा दीक्षा काशी में हुई थी । उनका पूरा नाम है- ।दांत में कृष्ण गढ़ के महाराज मानसिंह ने इन्हें अपने दरबारी कवि के रूप में सम्मानित किया । इनकी

रचना में मुख्यतः कहावत और मुहावरों का सुंदर प्रयोग मिलता है।

प्रमुख रचनाएं – बारहमासा ,यमक सतसई ,भाव प्रकाशिका ,श्रृंगार शिक्षा , रूप- चयनिका तथा वृंद सतसई इत्यादि ।

- ***शब्दार्थ :***
-
- ***कोकिल -कोयल***
- ***निबल-कमजोर***
- ***- सबल- बलशाली***
- ***दीपहिं- दीपक***
- ***जड़मति- मुर्ख***
- ***रसड़ी- रस्सी***

- ***सहायक -मददगार***
- ***काग -कौवा***
- ***पवन- हवा***
- ***करतब -साहसिक कार्य***
- ***सुजान -चतुर***
- ***घटी- घटना कम होना ।***

आज के लिए बस इतना ही, शेष कल....

गृह कार्य :- दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा अपनी कॉपी में लिखते हुए शब्दार्थ को अच्छी तरह याद करें ।

कल की कक्षा में हम आपको दोहे का भावार्थ बताएंगे ।

...